R.N.I. No. RAJHIN/2019/77793

मरूधरा टुडे

पाक्षिक

विज्ञापन एवं वार्षिक सदस्यता हेतु कार्यकारी सम्पादक - सहर मो. 8107416712

वर्ष 06 अंक 3 कुल पृष्ठ 4 अजमेर, गुरुवार, 16 मई 2024 Email ID : marudharatoday.info@gmail.com मूल्य : 3/- रुपये

पीएम मोदी ने वाराणसी से भरा पर्चा, सम्पत्ति के नाम पर सिर्फ 3.02 करोड़ रुपए, खुद के नाम न चल न अचल सम्पत्ति

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए वाराणसी संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी के तौर पर तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। पुष्य नक्षत्र में उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर शामिल थे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं। इससे पहले गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति लेकर नामांकन किया। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे। लगातार दो बार प्रधानमंत्री रहने और पिछले 10 साल में देश के चार करोड़ गरीबों को घर मुहैया कराने के बावजूद नरेंद्र मोदी के पास न तो अपना खुद का घर है और न ही उनके पास कोई गाड़ी है, उनके पास सिर्फ तीन करोड़ दो लाख रुपए की संपत्ति है। मोदी की ओर से दाखिल किए गए हलफनामे में उन्होंने अपनी संपत्ति के बारे में भी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री के हलफनामे के अनुसार उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। प्रधानमंत्री के अपने नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में उनके पास 3.02 करोड़ रुपए से अधिक की चल और अचल संपत्ति है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक में दो करोड़ 89 लाख 45 हजार 598 रुपए की सावधि जमा शामिल है। इसके साथ ही उनके पास 52 हजार 920 रुपए नकद हैं, जिसमें से 28 हजार रुपए निकाले गए हैं। मोदी के पास गांधीनगर में भारतीय स्टेट बैंक की एनएससी शाखा में 73 हजार 304 रुपए और वाराणसी में शिवाजी नगर शाखा में सात हजार रुपए जमा हैं। उन्होंने हलफनामे में कहा कि उनके पास राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र में नौ लाख 12 हजार 398 रुपए हैं। मोदी के पास 45 ग्राम वजन की सोने की चार अंगूठियां हैं, जिनकी कीमत दो लाख 67 हजार 750 रुपए है। वित्तीय वर्ष में उनका अनुमानित आयकर रिटर्न तीन लाख 33 हजार 179 रुपए है।

देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं सीएए लागू होगा : मोदी

बैरकपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दोहराया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देगा क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया समूह मुस्लिम समुदाय के लिए प्रयास कर रहा है। मोदी ने बैरकपुर, हुगली, आरामबाग और हावड़ा में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में रैली को संबोधित करते हुए एसटी और एससी के लिए मौजूदा आरक्षण में कटौती से इनकार कर दिया। उन्होंने नागरिकता संशोधन (सीएए) को लागू करने के लिए प्रतिज्ञा व्यक्त की, जो उन शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने के लिए है जो दुनिया के अन्य हिस्सों से धार्मिक आधार पर उत्पीड़न किए जाने के बाद भारत आए। प्रधानमंत्री ने कहा कि संदेशखाली की बहनों को डराया-धमकाया जा रहा है। कांग्रेस को इस बार उनके शहजादे की उम्र से भी कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी इस साल 19 जून को 54 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री ने हाल ही में संदेशखाली में यौन उत्पीड़न के मामले में कथित वीडियो पर कहा कि पहले टीएमसी नेताओं को पुलिस ने बचाया। अब टीएमसी ने एक नया खेल शुरू किया है। टीएमसी के गुंडे संदेशखाली की बहनों को डरा रहे हैं, धमका रहे हैं। सिर्फइसलिए कि अत्याचारी का नाम शाहजहां शेख है। उन्होंने कहा. बंगाल में टीएमसी की सरकार में राम का नाम नहीं लेने दिया जाता। रामनवमी नहीं मनाने दी जाती।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सभी विवि में पूरी तरह से लागू किया जाएगा

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सभी विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से लागू किया जाए। मिश्र मंगलवार को राजभवन में कुलपति समन्वय समिति की बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी कौशल विकास समावेशी कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। प्रदेश में स्थानीय उद्योगों एवं विश्वविद्यालय सहभागिता से रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शोध एवं अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार करने पर भी जोर दिया। बैठक में विश्वविद्यालय अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार कुलसचिव और वित्त नियंत्रक के पदों पर विज्ञापन के माध्यम से आवेदन प्राप्त कर उन्हें भरे जाने, इन पदों पर लगने वाले प्रशासनिक अधिकारियों के आकर्षण के लिए अतिरिक्त भत्ते के प्रावधान, प्रोत्साहन आदि पर भी चर्चा की गई। राज्यपाल ने कहा कि इन पदों पर ऐसे अधिकारी लगाए जाएं जो विश्वविद्यालय के हित में प्रभावी सेवाएं दें। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान के विश्वविद्यालय भारत को एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के अंतर्गत विश्व गुरु और विश्व शक्ति बनाने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने विश्वविद्यालयी शिक्षा के जरिए युवाओं को देश के विकसित भविष्य के लिए कार्य करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। बैठक में जिन विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा उपकरण नहीं लगे हैं, वहां 30 जून तक कार्रवाई किए जाने के भी राज्यपाल ने निर्देश दिए।

बैठक में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विश्वविद्यालयों के कुलपति, मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह, सामाजिक न्याय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों ने भाग लिया।

24 हजार छोटी खानों में जल्द शुरू होगा खनन

जयपुर। राजस्थान में जल्द ही 24 हजार छोटी खानों में खनन का काम शुरू हो सकेगा। प्रदेश में पांच हैक्टेयर से छोटी इन खानों की लीज व क्वारी लाइसेंस के बाद इन खान मालिकों ने जिला स्तर की पर्यावरण स्वीकृतियां यानी ईसी पहले ही प्राप्त कर ली है। अब इनको नियमानुसार राज्यस्तरीय कमेटी से ईसी जारी होनी है। जानकारी के अनुसार इनमें से जिला स्तर पर 12 हजार खानों को ईसी मिलने के बाद इनकी राज्यस्तरीय ईसी के लिए स्क्रूटनी का काम भी पूरा हो गया है। वहीं शेष 12 हजार की जल्द स्क्रूटनी पूरी हो जाएगी। विभाग ने सभी खानों के दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड कर दिए हैं। मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने इसे लेकर खान, पर्यावरण विभाग व राज्य स्तरीय एनवायरमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट एथॉरिटी यानी सीया से तय समय सीमा में ईसी जारी करने के निर्देश समीक्षा बैठक में दिए हैं। एनजीटी ने ऐसी खानों को एक साल में जिला स्तरीय कमेटियों से ईसी मंजूरी के बाद सीया से मंजूरी देने का राइडर तय कर रखा है। ऐसे में इस समयावधि में सभी खानों को ईसी देने को सीया को पाबंद किया गया है ताकि इनमें खनन शुरू हो सके। उन्होंने लाइसेंसधारकों व खान मालिकों से शेष औपचारिकताएं खान विभाग द्वारा जल्द पूरी कराने, छोटी-मोटी कमियों को पूरा करने के लिए अनावश्यक पत्राचार ना करके सीधे लाइसेंसधारकों से संपर्क करने को कहा है ताकि विलंब ना हो।

क्राउड फंडिग के जरिए 23 महीने के हृदयांश को जेकेलोन अस्पताल में लगा 17 .50 करोड़ का जीवनदायिनी इंजेक्शन

जयपुर। आखिरकार इंसानियत के आगे दुर्लभ बीमारी छोटी पड़ गई और 23 महीने के मासूम हृदयांश को जीवनदायिनी इंजेक्शन लग गया। दरअसल जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल में मंगलवार को हृदयांश को 17.50 करोड़ रुपए का इंजेक्शन लगाया गया। अस्पताल में रेयर डिजीज यूनिट के इंचार्ज डॉ. प्रियांशु माथुर और उनकी टीम ने यह इंजेक्शन लगाया है। बच्चे को अमेरिका से मंगवाया गया नोवार्टिस कंपनी का जोल गेनेस्मा इंजेक्शन लगाया गया। अब बच्चे को 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखेंगे। हृदयांश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है, जिसके इलाज के लिए इंजेक्शन की जरूरत थी। परिवार ने यह पैसा क्राउड फंडिंग के जरिए जुटाए। गौरतलब है कि हृदयांश का परिवार अलवर के मसारी का रहने वाला है। उसके पिता नरेश शर्मा मनिया धौलपुर पुलिस थाने में एसएचओ हैं। जो जयपुर में रहकर इलाज करवा रहे थे। डॉ. माथुर ने बताया कि जन्म के छह महीने बाद बीमारी का पता चला था। दरअसल हृदयांश के माता-पिता नरेश शर्मा और शमा की शादी सात साल पहले हुई थी। छह वर्षीय बेटी शुभी के बाद हृदयांश के जन्म से पूरे परिवार में खुशी थी। सिजेरियन डिलीवरी से उसका जन्म हुआ था। जन्म के समय किसी तरह की परेशानी नहीं थी। करीब 6 महीने तक वह अपनी बॉडी का अच्छा मूवमेंट करता था लेकिन छह महीने बाद जब परिवार के लोगों ने किसी सहारे से खड़ा करने की कोशिश की तो वह खड़ा नहीं हो पाया था। इसके बाद बीमारी का पता चला था। डॉ. माथुर ने बताया कि अमेरिकन दवा कंपनी नोवार्टिस द्वारा बनाया गया जोलगेनेस्मा इंजेक्शन फिलहाल एसएमए की बीमारी को ठीक करने के लिए सबसे कारगर और महंगा इंजेक्शन है। इसकी कीमत 17.50 करोड़ रुपए है। यह इंजेक्शन के जरिए दी जाने वाली जीन थैरेपी है। इसके जरिए जीन पूरे शरीर में पाए जाने वाले एसएमएन प्रोटीन को एनकोड करता है, जो मोटर न्यूरॉन्स के रखरखाव और कार्य के लिए महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि इसी बीमारी से पीड़ित बच्चे की मदद के लिए कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने गत वर्ष पीएम मोदी को पत्र लिखा था। डॉ. प्रियांशु ने बताया कि इस बीमारी के कारण मसल्स में कमजोरी आने लगती है। बच्चे को चलने-फिरने में परेशानी होती है। सांस रुकने की भी संभावना रहती है। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी एक दुर्लभ बीमारी है जो रीढ़ की हड्डी में मोटर न्यूरॉन्स को प्रभावित करता है।

समाचार पत्र की खबरों का स्रोत

समाचार पत्र के संवाददाता, PRO Ajmer, DIPR Jaipur, PIB Jaipur, दूरदर्शन भारत के माध्यम से तथा अन्य स्रोतों से समाचार पत्र की खबरों का प्रकाशन किया जाता है।

सम्पादक

सबसे छोटा दूदू जिला हो सकता है खत्म, उच्च स्तर पर मंथन जारी

जयपुर। प्रदेश के सबसे छोटे दूदू जिले खत्म हो सकता है। पूर्व सरकार के इस फैसले को चुनावी लाभ से जोड़कर देखा जा रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सात अगस्त 2023 को 19 नए जिलों का गठन किया था। इसके बाद राजस्थान में जिलों की संख्या 33 से बढ़कर 50 हो गई थी। नए जिलों में दूदू भी शामिल है, जो ग्राम पंचायत से सीधा जिला बना था। दूदू राजस्थान का ही नहीं बल्कि देश का सबसे छोटा जिला है। इस जिले में तीन उपखंड मौजमाबाद, दूदू और फागी शामिल है। इसके साथ मात्र तीन तहसील है। पुलिस विभाग के भी मात्र तीन डिप्टी कार्यालय है। जब से दूदू जिले की घोषणा की गई थी, आमजन इस निर्णय को चुनावी लाभ से जोड़कर देख रहे थे। अब प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद दूदू जिला फिर चर्चा में आ गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार इस निर्णय पर पुनर्विचार कर रही है।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

जयपुर। एसएमएस में फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले की जांच अब एसआईटी करेगी। इस संबंध में राज्य सरकार ने एसआईटी गठन करने के आदेश दिए थे। इस पर जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने एसआईटी का गठन कर दिया है। ऐसे में अब ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में दर्ज तीनों एफआईआर की जांच अब एसआईटी करेगी। इस एसआईटी में आठ पुलिस अधिकारी और कॉन्स्टेबल शामिल हैं। इस एसआईटी की ओर से की जा रही जांच की मॉनिटरिंग जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ करेंगे। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में हर दिन एक नई जानकारी टीम को मिल रही है। उन सभी पर टीम काम कर रही हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन कर दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिस हुई सक्रिय, चलाया विशेष अभियान 150 से ज्यादा वाहनों के बनाए चालान

अजमेर। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए यातायात पुलिस ने सोमवार को विशेष कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन से पड़ाव तक अभियान चलाया। इसमें बेतरतीब खड़े 150 वाहनों के चालान बनाए और 45 से ज्यादा वाहनों को जब्त किया। रेलवे स्टेशन के सामने नगरीय वाहनों के जमावड़े से यातायात में व्यवधान होने की शिकायतों के बाद यातायात पुलिस सक्रिय हुई। यातायात निरीक्षक भीकाराम काला के नेतृत्व में पुलिस जाप्ते ने रेलवे स्टेशन के दूसरे नम्बर गेट से अस्थाई अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कई टैम्पो सड़क पर खड़े हुए मिले। पुलिस को देखते हुए टैम्पो चालक अपने वाहन लेकर खिसक लिए। जो पुलिस के हत्थे चढ़े उनके चालान बनाए गए। इसके बाद सड़क पर खड़े दोपहिया वाहनों को जब्त किया गया। रेलवे स्टेशन के बाहर कई ठेले वालों ने बरसों से कब्जा कर रखा है। इसी तरह शहीद स्मारक से लेकर शिवाजी पार्क तक ठेले वालों ने सड़क पर कब्जा कर रखा है। यहां चाय, सोड़ा, फल, सब्जी के ठेलों ने पूरी सड़क घेर रखी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुछ ठेलों का सामान जब्त किया। इसके बाद पड़ाव क्षेत्र में सड़क पर खड़े ठेलों को हटवाया। यहां भी सब्जी वालों ने आधी से ज्यादा सड़क घेर रखी थी। वहीं अपना बाजार के पास सड़क पर तिरपाल की आड़ में ठेलों पर दुकानें चल रही थीं। पुलिस ने इन ठेलों को हटवाते हुए चालान बनाए। यातायात पुलिस ने लगभग 2 घंटे चली कार्रवाई में नो पार्किंग के 150 चालान बनाए और 45 से अधिक वाहनों को जब्त किया गया। पुलिस ने दुकानदारों को अपना सामान दुकानों की सीमा में रखने के लिए पाबंद किया। यातायात पुलिस ने शिवाजी पार्क, पड़ाव और कवंडसपुरा क्षेत्र में सड़क पर खड़े रहने वाले ठेला चालकों को चेतावनी दी है कि ये समझाइश का अन्तिम अवसर है। यदि इसके बाद भी सड़क पर ठेले खड़े पाए गए तो ठेलों को सीज करने के साथ ही पुलिस में मुकदमे दर्ज कराए जाएंगे। साथ ही सीज किए गए सामान को रिलीज नहीं किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की फूड सेफ्टी टीम ने की कार्रवाई, दूषित तेल में तला गया सामान व पानी की बोतलें की जब्त

अजमेर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की फूड सेफ्टी टीम ने मंगलवार को केन्द्रीय रोडवेज बस स्टैण्ड स्थित ढाबों और फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया। यहां पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के 102 कर्टन कुल 1224 बोतलें जब्त कीं, जिन पर पैकिंग दिनांक, बैच नम्बर आदि सूचनाएं अंकित नहीं थीं। अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा के अनुसार पिछले दिनों शिकायत मिली थी कि बस स्टैण्ड पर पानी और कोल्ड ड्रिंक्स की एक्सपायर बोतलें बेची जा रही हैं। इस पर टीम को केन्द्रीय रोडवेज बस स्टैण्ड भेजा गया। जहां पांच दुकानों का सघन निरीक्षण करने पर वहां बेची जा रही एक्वा ब्रांड पानी की बोतलों पर खाद्य सुरक्षा तथा मानक अधिनियम के नियमानुसार अनिवार्य पैकिंग दिनांक, बैच नम्बर आदि सूचनाएं अंकित नहीं पाई गईं। मैसर्स फरीद जनरल स्टोर पर सबसे ज्यादा 70 कर्टन मिले। इसके मालिक फरीद से पूछताछ करने पर बताया कि नागौर की एक कम्पनी वहां से पिकअप भरकर सप्लाई के लिए यहां भेजती है। एक कर्टन की कीमत रुपए 66 है जिसमें 12 बोतल होती हैं। एक बोतल 20 रुपए में बेचते हैं। फरीद ने सप्लायर से मोबाइल नम्बर पर बात करवाई। जिसे थांवला, नागौर से बुलवाकर इस पैकेज ड्रिंकिंग वाटर की सैम्पलिंग की गई। मौके पर नियमों का उल्लंघन होने पर पैकिंग दिनांक अंकित नहीं होने से नमूना लेने के बाद सभी बोतलों के पानी को नष्ट किया गया। सप्लायर पंकज कुमार ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि प्रिंटिंग मशीन खराब होने से पैकिंग दिनांक, बैच नम्बर आदि बिना प्रिंट किए बोतलें सप्लाई कर दी गई थीं। प्रकरण में उच्चाधिकारियों के निर्देशन में अग्रिम कार्रवाई करते हुए कम्पनी के आईएसआई मार्का की भी जांच की जाएगी। अन्य कार्रवाई में बस स्टैण्ड के डीलक्स प्लेटफार्म स्थित मैसर्स असरानी कैन्टीन पर खाद्य तेल को बार-बार गर्म कर कचौरी-समोसे तैयार किए जा रहे थे। जबकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे व्यापारियों को स्पष्ट रूप से समझाया जा चुका है कि बार-बार गर्म किए जाने वाले तेल में पकाया भोजन मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। उसके बावजूद वह तेल को बदले बिना उसमें खाद्य पदार्थ बनाए जा रहा था। जिस पर यूज्ड ऑयल का एक नमूना लिया गया। परिसर के पिछले हिस्से में जहां भोजन सामग्री तैयार की जा रही थी यहां खिड़की टूटी हुई जीर्णशीर्ण अवस्था में थी। छत और दीवारों से प्लास्टर गिर रहा था। किचन की स्थिति भोजन तैयार करने लायक नहीं थी। जिस पर टीम ने रोडवेज प्रशासन के स्टाफ को मौके पर बुलाकर कैन्टीन के किचन का मुआयना करवाया और संचालक को 7 दिवस में मरम्मत कार्य पेंट आदि करवाकर निरीक्षण के बाद ही कार्य करने के लिए पाबंद किया गया। बस स्टैण्ड के सामने स्थित मैसर्स देव नारायण भोजनालय से पनीर का एक नमूना लिया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, अजय मोयल एवं केसरीनंदन शर्मा शामिल रहे।

वन विभाग करेगा 23 मई को वन्य जीवों की गणना

अजमेर। वन विभाग ने जिले के जंगलों में 23 व 24 मई को वाटर होल्स पद्धति से होने वाली वन्य जीव गणना के लिए वाटर होल्स चिन्हित कर लिए हैं। इस बार मंडल की छह रेंज के जंगलों में कुल 63 वाटर होल्स पर वन्य जीव गणना होगी। जो कि पूर्व के सालों के मुकाबले कम हैं। पूर्व में 80 से अधिक वाहर होल्स पर गणना होती थी। इधर विभाग ने गणना दलों में शामिल कार्मिकों को प्रशिक्षण भी दिया है। साथ ही उन्हें जीवों की पहचान के लिए रंगीन फोटो मय विवरण पुस्तिका भी बांटी गई है। जिससे कि सटीक गणना हो सके। उप वन संरक्षक सुगनाराम जाट ने बताया कि गणना की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन वाटर होल्स को चिन्हित किया गया है, जिनमें वर्तमान में पानी है तथा यहां बड़ी संख्या में वन्य जीव अपनी प्यास बुझाने के लिए आते हैं। कुछ ऐसे भी वाटर होल्स हैं, जहां वन्य जीव आते हैं लेकिन वर्तमान में ये सूखे हैं। इसीलिए रेंजर्स को ऐसे वाटर होल्स को पानी से भरने के लिए एक लाख रुपए का बजट उपलब्ध कराया गया है। कुल 63 वाटर होल्स पर 23 मई को सुबह वन्य जीव गुणना शुरू होगी, जो अगले दिन सुबह 8 बजे तक चलेगी। गणना के लिए 63 ही दल बनाए गए हैं। प्रत्येक दल में दो-दो वनकार्मिक शामिल होंगे। गणना में वॉलंटियर्स का भी सहयोग लिया जाएगा। अजमेर वन मंडल की नसीराबाद रेंज के जंगलों में सबसे ज्यादा 16 वाटर होल्स बनाए गए हैं। जबकि किशनगढ़ में 14, अजमेर में 13, ब्यावर में 8 तथा पुष्कर व सरवाड़ में 6-6 वाटर होल्स पर वन्य जीव गणना होगी। ऐसे वाटर होल्स जहां पर अधिक संख्या में विभिन्न प्रजाति के वन्य जीवों के आने की संभावना है, वहां पर ट्रैप कैमरे लगेंगे। उप वन संरक्षक जाट ने बताया कि रेंजर्स को ऐसे वाटर होल्स पर ट्रैप कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मंडल को 18 ट्रैप कैमरे मिले हैं। प्रत्येक रेंज को तीन तीन कैमरे दिए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पैंथर व अन्य बड़े वन्य जीवों के मूवमेंट वाले जंगलों में वाटर होल्स के आसपास मचानें बनाई जा रही हैं। इसमें खासतौर पर अजमेर व ब्यावर रेंज के जंगलों के वाटर होल्स शामिल हैं। वैशाख पूर्णिमा की रात 23 मई को दल चंद्रमा की रोशनी में वाटर होल्स पर आने वाले जीवों की गिनती करेंगे। जिस वाटर होल के पास ऊंचाई ज्यादा है, वहां मचान नहीं बनाई गई है। बल्कि यहीं दल तैनात होंगे। जीवों के पगमार्ग व उनके शौच को भी गणना का आधार बनाया जाएगा। कार्मिक अपने साथ कोई भी सुगंधित वस्तुएं नहीं ले जा सकेंगे। कपड़ों पर परफ्यूम या सिर में सुगंधित तेल भी नहीं लगा होना चाहिए। एल्कोहल और स्मोकिंग पर भी प्रतिबंध होगा। साथ ही मचान पर बैठते समय जूते भी वहीं रखने होंगे। गणना के समय कोई कर्मचारी ना सोएगा और ना ही बात करेगा। उल्लेखनीय है कि वन्य जीव गणना के माध्यम से वन मुख्यालय क्षेत्रवार हुए बदलाव के आंकड़े तैयार करेगा।

बिना छुट्टी 77 चिकित्साकर्मी गायब, अब नौकरी पर संकट के बादल

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा विभाग में लंबे समय से बिना छुट्टी मंजूर किए और मनमर्जी ड्यूटी से गायब हुए चिकित्साकर्मियों पर कार्रवाई की तैयारी है। अभी प्रदेशभर में ऐसे 77 चिकित्साकर्मी हैं, जो लंबे समय से बिना किसी सूचना के विभाग की तय ड्यूटी से लापता हैं। इन सभी को नोटिस जारी होंगे, अगर तीन दिन में अनुपस्थित रहने का संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो इनकी नौकरी पर संकट के बादल मंडराएंगे। इन पर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो सकती है। जानकारी के अनुसार इन 77 चिकित्साकर्मियों के अलावा भी विभाग ने सभी मेडिकल कॉलेज के प्रशासन, जोनों के संयुक्त निदेशकों, सीएमएचओ, पीएमओ सहित अन्य नियंत्रण अधिकारियों को पत्र लिखकर और भी ऐसे चिकित्साकर्मी हो तो उनकी सूचना मांगी है। चिकित्सा विभाग की एसीएस शुभ्रा सिंह ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए इनके खिलाफ तय नियमों के अनुसार कार्रवाई के आदेश दिए हैं। विभाग के अतिरिक्त निदेशक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि ऐसे कार्मिकों को 3 दिन में ड्यूटी पर उपस्थित होने के नोटिस जारी किए जाएंगे। अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के परिवीक्षाकाल संतोषजनक रूप से पूर्ण नहीं करने, वित्त विभाग के आदेश तथा राजस्थान सिविल सेवा नियम के नियम 86 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए नियंत्रण अधिकारी 15 दिवस में प्रस्ताव भिजवाएंगे।

विश्वविद्यालयों में 30 मई तक लागू होगा बायोमेट्रिक-मोबाइल एप से हाजरी सिस्टम

जयपुर। प्रदेश के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में 30 मई तक बायोमेट्रिक और मोबाइल एप से उपस्थिति की व्यवस्था लागू होगी। इस संबंध में राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को यहां राजभवन में हुई बैठक में सभी कुलपतियों को निर्देश दे दिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में बायोमेट्रिक-मोबाइल एप आधारित उपस्थिति की व्यवस्था 30 मई तक सभी विश्वविद्यालयों में तत्परता से लागू की जाएगी। चरणबद्ध रूप से यह व्यवस्था विश्वविद्यालयों के सभी महाविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों में भी लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि नवगठित विश्वविद्यालयों में संपत्तियों, दायित्वों, भूमि, पेंशन तथा अन्य मुद्दों के लिए कमेटी का गठन कर कार्य किया जाएगा। इसमें संबंधित जिला कलेक्टर भी सम्मिलित होंगे ताकि नए विश्वविद्यालयों से जुड़े मुद्दों का प्रभावी समाधान समय पर हो सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक सहभागिता महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अब प्रत्येक विश्वविद्यालय पांचक-पांच ग्राम गोद लेकर उनके विकास के लिए कार्य करेंगे। मिश्र ने सभी कुलपतियों से विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक और अशैक्षणिक रिक्त पदों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने रिक्त पदों को भरे जाने के लिए भी चरणबद्ध प्रभावी कार्रवाई किए जाने पर जोर दिया।

यादगार अंजुमन चुनाव नई मतदाता सूची जारी

अजमेर। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह की यादगार अंजुमन की 11 सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव के लिए 245 मतदाताओं की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। इसके साथ ही अब चुनावी मैदान में उतरने वालों की सक्रियता बढ़ गई है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन जमा कराने की अंतिम तिथि 16 मई तय की गई है। अंजुमन यादगार के सदर सुब्हान चिश्ती के अनुसार चुनाव कराने के लिए हाईकोर्ट से गठित पांच सदस्यीय कमेटी ने मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया है। जिसके अनुसार कौम के 245 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार से नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 16 मई को नामांकन जमा कराने का अंतिम दिन होगा। इसी दिन नामांकनों की जांच होगी और 17 मई को नामांकन वापस लेने के समय बाद प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। आवश्यकता होने पर 5 जून को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। इसके तत्काल बाद मतगणना होकर चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। 6 जून को चुने हुए सदस्य पदाधिकारियों का चयन करेंगे।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी का निधन

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। सुशील मोदी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में गले के कैंसर के असाध्य रोग से जूझ रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। विद्यार्थी परिषद से लेकर अभी तक हमने साथ में संगठन के लिए लंबे समय तक काम किया। सुशील मोदी का पूरा जीवन बिहार के लिए समर्पित रहा।

चारधाम यात्रा: 25 लाख तीर्थयात्रियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम दर्शनों के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार पहुंच रहे हैं। अब तक लगभग 25 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने बताया कि 25 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया 15 अप्रैल से शुरू की गई थी। प्रदेश सरकार और पर्यटन विभाग तीर्थयात्रियों को हर संभव सुविधा मुहैया कराने के लिए मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। शासन की ओर से जारी दिशा-निर्देश को सभी अधिकारी गंभीरता से पालन कर रहे हैं।

न्यायिक स्टाम्प पत्रों का विक्रय विवरण भौतिक रजिस्टर में करने की छूट

अजमेर। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग ने न्यायिक स्टाम्प पत्रों के अनुज्ञाधारी स्टाम्प वेण्डर्स को न्यायिक स्टाम्प विक्रय पर पूर्व की भांति भौतिक रजिस्टर में संधारित करने की छूट दी है। महानिरीक्षक पीयूष सामरिया ने संयुक्त शासन सचिव जसवन्त सिंह के निर्देश पर विक्रय रजिस्टर को मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन संधारण से मुक्त करते हुए आगामी आदेशों तक न्यायिक स्टाम्प पत्रों के विक्रय की छूट दी है। उन्होंने प्रदेश के सभी उप महानिरीक्षकों को न्यायिक स्टाम्प बेचने वाले अनुज्ञाधारी वेण्डर्स को रजिस्टर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

तीन गर्भवती महिलाओं की ब्लड चढ़ाने के बाद बिगड़ी तबीयत

पाटन। ब्लड चढ़ाने से नीमकाथाना जिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई, वहीं दो अन्य प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ गई। शनिवार की रात तीन गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार रात ब्लड चढ़ाने के बाद तीनों महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई। एक महिला को यहां के जनाना अस्पताल रेफर किया गया, वहीं दो अन्य महिलाओं को परिजनों ने यहां के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जानकारी के अनुसार नीमकाथाना जिला अस्पताल में मैना देवी (25) पत्नी मनोज कुमार वर्मा निवासी बिहारीपुर, मधु पत्नी राकेश (20) निवासी खटाणा और गीता देवी पत्नी कैलाश (25) को प्रसव के लिए भर्ती करवाया गया था। डॉक्टर ने जांच कर तीनों में ब्लड की कमी बताई और परिजनों से ब्लड लाने के लिए कहा। जिला अस्पताल में तीनों के ही ग्रुप का ब्लड नहीं मिला। परिजन शाहपुरा रोड स्थित सीता ब्लड बैंक से ब्लड लेकर आए। जिला अस्पताल में इन्हें ब्लड चढ़ाया गया, थोड़ी देर बाद तीनों प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने लगी। इस पर तीनों को जयपुर रेफर किया गया। इनमें मैना को जनाना अस्पताल लाया गया, जहां उसने रविवार दोपहर मृत बच्ची को जन्म दिया और प्रसव के कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। जबकि अन्य दोनों गर्भवती महिलाओं में गीता ने भी मृत बच्चे को जन्म दिया। फिलहाल दोनों महिलाओं का यहां एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

स्वामी व प्रकाशक महेश चंद रांगेरा द्वारा मुद्रक गोपाल सिंह लबाना, गुरुनानक प्रिन्टिंग प्रेस, प्लॉट नम्बर 2, पत्रकार कॉलोनी, कोटड़ा, अजमेर से मुद्रित व कार्यालय जी-7, सातवीं मंजिल, गुरु अभय रेसिडेन्सी, पंचशील ए ब्लॉक, अजमेर से प्रकाशित, सम्पादक - महेश चंद रांगेरा व कार्यकारी सम्पादक - सहर। समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र अजमेर ही रहेगा। मो. 9929590449, 8107416712, Email ID : marudharatoday.info@gmail.com

सम्पादकीय

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन ह्यइंडियाह्ल को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो- खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने ह्यनाइंसाफीह्ल के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है। आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है? राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दशार्ता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं?

निर्माण कार्य का भुगतान नहीं करने पर अदालत से पीडब्ल्यूडी ऑफिस का कुर्की आदेश लेकर आया ठेकेदार

अजमेर। पुष्कर महाविद्यालय में निर्माण कार्य का ठेका देने के बावजूद ठेकेदार मैसर्स पूजा कन्सट्रक्शन को उसके द्वारा किए कार्य का भुगतान नहीं करने पर अदालत के सेल आमीन राजेश जैन अपनी टीम के साथ कुर्की आदेश की पालना करने पहुंचे तो पीडब्ल्यूडी कार्यालय में खलबली मच गई। अधिशासी अभियंता ने वित्तीय स्वीकृति के बाद भुगतान करने का भरोसा दिलाकर उक्त टीम से समय मांगा है। जिससे फिलहाल कुर्की की कार्रवाई टल गई किंतु भुगतान नहीं होने पर इस कार्रवाई को दोबारा भी किया जा सकता है। मैसर्स पूजा कन्स्ट्रक्शन के वकील सत्यकिशोर सक्सेना व आशीष सक्सेना के अनुसार पीडब्ल्यूडी ने पुष्कर में महाविद्यालय बनाने का काम का ठेका किसी फर्म को दिया था, इसके बावजूद वहां भवन के लिए पिलर बनाने और पानी की व्यवस्था के लिए बोरिंग कराने के काम का ठेका अलग से मैसर्स पूजा कन्सट्रक्शन को दिया गया। संस्था ने पिलर बनाने का काम पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा कर दिया, किंतु जल संसाधन विभाग ने पानी की कमी के कारण पुष्कर को डार्क जोन घोषित कर दिया तो वह बोरिंग का काम समय पर नहीं कर पाया, क्योंकि उक्त काम के लिए कलक्टर से इजाजत मिलना आवश्यक था। आवेदन करने के बाद कई बार प्रयास करने के बावजूद कलक्टर से इजाजत नहीं मिलने पर बोरिंग का काम नहीं हुआ। जिससे पीडब्ल्यूडी विभाग ने उसका अंतिम बिल का भुगतान और उसके द्वारा जमा कराई गारंटी राशि व अन्य जमा वापस करने में अड़चन लगाना शुरू कर दी थी। उन्होंने बताया कि मैसर्स पूजा कन्सट्रक्शन ने वाणिज्यिक न्यायालय में उक्त राशि प्राप्त करने के लिए मुकदमा पेश किया था। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर वादी मैसर्स पूजा कन्सट्रक्शन को पीडब्ल्यूडी से बकाया राशि 14 लाख 70 हजार 977 रुपए 30 पैसे प्राप्त करने का अधिकारी माना था। इस राशि की वसूली के लिए प्रार्थी ने अपने वकीलों के जरिए इजराय पेश की थी।एडवोकेट सत्यकिशोर सक्सेना व आशीष सक्सेना के अनुसार अदालत से जारी कुर्की आदेश लेकर कोर्ट के सेल आमीन राजेश जैन अपनी टीम के साथ पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचे। उन्हें कुर्की का आदेश दिया तो अधिशासी अभियंता केदार शर्मा ने तत्काल न्यायाधीश के समक्ष एक पत्र लिखा कि उन्हें अदालत के आदेश की पालना कर भुगतान करने के लिए वित्तीय स्वीकृति लेनी होगी। इसलिए उन्हें वक्त दिया जाए। वादी की संतुष्टि के बाद उक्त पत्र सेल आमीन राजेश जैन ने प्राप्त कर लिया है। वे उक्त पत्र को अदालत के समक्ष पेश करेंगे।

दोनों वकीलों ने बताया कि विभाग ने वादी मैसर्स पूजा कन्सट्रक्सन को उक्त राशि का भुगतान नहीं किया तो उक्त राशि वूसली के लिए कुर्की की कार्रवाई पुनः की जाएगी।

जमीन अवाप्त की किसी की, मुआवजा किसी और को दे दिया

अजमेर। राजस्व ग्राम घूघरा निवासी बाबूलाल सैन ने घूघरा गांव में उसके पूर्वजों की मल्कियत की बेशकीमती भूमि पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कब्जा कर हेलीपेड निर्माण कराने के मामले में निर्माण विभाग के अधिकारियों पर भूमि का मुआवजा किसी अन्य को देने का आरोप लगाया है। सैन ने बताया कि उसने इस सिलसिले में जब निर्माण विभाग के जयपुर में बैठे आला अधिकारियों से सम्पर्क कर यह जानना चाहा कि विभाग ने उसके पूर्वजों को भूमि का मुआवजा दिया था क्या? इस पर विभागीय स्तर से अवाप्त की गई भूमियों की मिली सूची में उसके पूर्वजों की मल्कियत के पुराने खसरा नंबर 956 की करीब सवा सात बीघा भूमि के नकद मुआवजे की राशि 7 हजार 177 रुपए वर्ष 1976 में सुजाण पुत्र घीसा गुर्जर को दिए जाने का उल्लेख किया है। जबकि इस सूची में विशेष विवरण के कॉलम में यह स्पष्ट टिप्पणी भी अंकित की गई है कि हलका पटवारी, भू अभिलेख निरीक्षक एवं घूघरा सरपंच की रिपोर्ट के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में यह जमीन रतना व छोटू पुत्र सूजा नाई के नाम दर्ज है और यह रकबा इन्हीं का है।

हिंद सेवा दल व लक्ष्य मानवता संस्थान ने किया 11 माताओं का सम्मान

अजमेर। हिंद सेवा दल व लक्ष्य मानवता संस्थान ने मदर्स डे के अवसर पर जयपुर रोड स्थित एक होटल में मां तुझे सलाम कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर 11 ऐसी माताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष व साहस के बलबूते अपने बच्चों को मुकाम हासिल कराया। मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रीति तोषनीवाल ने कहा कि मां धुरी है पूरे समाज की, परिवार की। पूरी पृथ्वी उसके चारों ओर है। शुरुआत में अतिथियों ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर सोमरत्न आर्य, राजेंद्र गांधी, आभा गांधी आदि उपस्थित थे। संचालन तरुणा जांगिड़ ने किया। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। साथ ही मां पर आधारित एक लघु नाटिका का मंचन किया गया। नीतू सिंह एवं सोनाली गांगुली ने मां पर कविता प्रस्तुत कर तालियां बटोरी। अध्यक्ष आर के महावर ने बताया कि सम्मानित होने वालों में विनिता अग्रवाल, अनिता बाल्दी, बबिता टांक, विनिता बाड़मेरी, पायल गोदारा, सविता शर्मा, मीना उपाध्याय, संगीता सलीम, परमिंद्र जॉन, अनिता भटनागर, शंकुतला जैन शामिल रहीं।

बाढ़, बाढ़ बचाव व्यवस्था एवं आपदा प्रबन्धन को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक

अजमेर। जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने कहा कि मानसून के दौरान बाढ़ की सम्भावना की स्थिति में उससे बचाव तथा आपदा प्रबन्धन की समस्त तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। वे सोमवार को कलेक्ट्रेट में सम्भावित बाढ़, बाढ़ बचाव व्यवस्था एवं आपदा प्रबन्धन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थिति में प्रारम्भिक दो घंटों को गोल्डन ऑवर्स कहा जाता है। इस समय तक अधिकतम बचाव कार्य आरम्भ हो जाने चाहिए। इसके लिए रेस्पोन्स समय कम करने का प्रयास किया जाए। उपखण्ड स्तर पर भी मानवीय एवं भौतिक संसाधनों को प्रतिबन्धित रखें। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्त एम्बुलेन्सों के उपकरणों एवं संसाधनों की जांच की जाए। समस्त आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें। जल भराव के क्षेत्रों से सम्बन्धित स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपचार की समुचित पुख्ता व्यवस्था करें।

उन्होंने कहा, आनासागर के जल तल की लगातार मॉनीटरिंग की जाए क्योंकि आवश्यकता होने पर गेट खोले जाएंगे। उन्होंने नगरीय एवं स्वायत्तशासी निकायों के अधिकारियों, पंचायतराज से जुड़े अधिकारियों और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को जिले के समस्त बांधों के गेटों की ग्रीसिंग समय पर कराने, जल निकास की समस्त बाधाएं समय रहते हुए दूर करने, बांधों का कचरा साफ कराने तथा पंचायतीराज विभाग के अधीन बांधों की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि फॉयसागर झील की पाल के रिसाव को रोकने के लिए मानसून से पहले ही तैयारी रखें। बांधों से सम्बन्धित कार्यों को 31 मई तक पूर्ण कर लें। समस्त बांधों के सुरक्षित होने की जांच करें। आवश्यकतानुसार मरम्मत कराएं। बाढ़ कन्टेजेन्सी प्लान तैयार किया जाए। मॉक ड्रिल जैसी कार्यकुशलता वास्तविक स्थिति में भी दृष्टिगोचर होनी चाहिए। इसके लिए प्रत्येक संसाधन एवं सामग्री की उपलब्धता का चार्ट बनाया जाए। इसमें सम्बन्धित व्यक्ति से सीधे सम्पर्क करने में आसानी रहेगी। आपातकालीन परिस्थितियों के लिए सुरक्षित भवनों का चिह्नीकरण करें।

भगवंत विश्वविद्यालय में एकेडमिक सभा 2024 का आयोजन

अजमेर। भगवंत विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की ओर से एकेडमिक सभा 2024 का आयोजन हुआ। सभा का विषय 'नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में अवसर व चुनौतियों का विश्लेषण' था। एकेडमिक सभा में कुलपति प्रो. वी.के. शर्मा ने प्रिंसिपल, डायरेक्टर, प्राध्यापकगण एवं शिक्षाविद् को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार सभी विश्वविद्यालयों में जल्द ही नई शिक्षा नीति 2020 को लागू किया जाना है। यह नीति विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी व्यक्तित्व का विकास करने वाली एवं वैश्विक स्तर पर शोध को बढ़ावा देकर पूरे देश के विकास में महती भूमिका निभाने वाली है। नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत स्नातक कोर्स चार वर्ष का होगा। जिसमें प्रति वर्ष निर्गम का प्रावधान होगा। इसके अलावा शिक्षा में भारतीय ज्ञान को समाहित किए जाने पर जोर होगा। जेट विमान की विद्या, पाइथागोरस प्रमेय का भारतीय मूल आदि। अतिरिक्त निदेशक शिक्षा डॉ. शौकत अली ने इस नीति के कई अन्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। आर्यन पब्लिक स्कूल की प्राचार्य डॉ. योजना शर्मा ने भी इस नीति के सफल क्रियान्वन के लिए कुछ उपयोगी सूत्र बताए। विदेश विकास से सम्बन्धित एनजीओ के प्रोजेक्ट मैनेजर विपिन ने बताया कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में स्थापित होने के लिए यह शिक्षा नीति बहुत कारगर है। ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट ऑफिसर गजेन्द्र पंचोली ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं नई शिक्षा नीति पर प्रजेन्टेशन दिया। सिद्धार्थ एन्ड्रयूज ने पीपीटी के जरिए नई शिक्षा नीति के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद भगवंत विश्वविद्यालय के ओपन सेशन में सभी ने नई शिक्षा नीति को कैसे बेहतर बना सकते हैं। कपिल सारस्वत ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम के आयोजन में देवेश कुमार, डॉ. हंसा चौधरी, द्रौपदी कलवानी, पूर्णिमा कौशिक, अमित मीणा सहित शिक्षकों का योगदान रहा।

लकवाग्रस्त पति को स्ट्रेचर पर लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची महिला

अजमेर। कंचन नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी दौराई निवासी संतोष ने जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित से मुलाकात कर उज्जीवन स्मॉल फायनेंस बैंक प्रबंधन द्वारा उसके लकवाग्रस्त पति जगदीश को चारपाई सहित घर से बाहर निकालकर खुले में पटक कर उसके मकान पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए बैंक प्रबंधन से राहत दिलाने की गुहार लगाई। संतोष अपने लकवाग्रस्त पति को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची और कलक्टर को आपबीती सुनाई। उसने बताया कि उसके पति ने वर्ष 2020 में बिड़ला कैपिटल से 10 लाख रुपए का व्यावसायिक लोन लिया था। 30 सितम्बर 2021 को यह लोन उज्जीवन स्मॉल फायनेंस बैंक में स्थानान्तरित करा लिया। उसके बाद पति ने समय पर किश्तें भरीं। लेकिन 30 सितम्बर 2023 को परिवार पर कहर टूट पड़ा और पति लकवाग्रस्त हो गए। साथ ही व्यवसाय भी चौपट हो गया। इस कारण समय पर किश्त नहीं भर पाए। हमने सारे हालात बैंक प्रबंधन को बताकर लोन में रियायत देने की गुहार लगाई, लेकिन बैंक वालों ने प्रशासन की मदद से मकान पर जबरन कब्जा कर लिया।

12 मई को मातृत्व दिवस पर विशेष

हर रिश्ते से अधिक भावनात्मक व महत्वपूर्ण होती है माँ

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मानकर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथों में जननी की महिमा का बखान मिलता है। प्रत्येक वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे यानी मातृ दिवस मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 12 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा। मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रह्मांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों ने मां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां ही होती है जो सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नौ माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की

रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है। मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कहकर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिलाकर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छायाए
नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राणए
नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है, माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है। भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई। देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाए जाने की शुरुआत हुई।

मदर्स डे मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मानए श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूकेए चीनए यूएसए मेक्सिकोए डेनमार्कए इटलीए फिनलैण्डए तुर्कीए ऑस्ट्रेलियाए कैनेडाए जापानए बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फहमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान् का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

प्रवासी कामगारों से मजबूत होती अर्थव्यवस्था

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई 2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत विदेशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गौरवपूर्ण गाथा को दशार्ता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्त्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई है, जो 117 मिलियन तक पहुँच गई है, जो विस्थापन संकट को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है।

भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि जैसे पेशेवरों का अनुपात बढ़ गया है। इनके वेतन ज्यादा होता है और वे बड़ी मात्रा में पैसा भारत भेजते हैं। इनके अलावा भारतीय कामगार भी बड़ी संख्या में विदेशों में अपने श्रम से धन अर्जित करके न केवल अपने परिवारों का पालन-पोषण करते हैं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव एवं देशप्रेम को ही दशार्ता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दुनिया में भारतीय श्रम-शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल आर्थिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वार खोलती है, जिससे दुनिया में भारत की ताकत को नये पंख लगते हैं।

भारतीय कामगारों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल के लिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब हैं जबकि राजनीतिक कारणों से भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश से आती है। प्रश्न है कि भारतीय कामगार एवं प्रतिभाएं जितनी बड़ी संख्या में विदेशों में जाकर अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभा का लोहा मनवा रही है, विदेशी प्रतिभाएं उतनी संख्या में भारत नहीं आ रही है। वोट बैंक बढ़ाने के लिये बांग्लादेश आदि पडौसी देशों से गरीब एवं मुसलमानों का बड़ी संख्या में देश में आना, यहां के विकास को अवरोध करता है। इस तरह के लोगों के आने से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वही उनका भारत के विकास में योगदान नगण्य है और उनका भारत से कोई मजबूत एवं आत्मीय रिश्ता भी कायम नहीं हो पाता है, यह एक समस्या के रूप में भारत के विकास को बाधित करता है।

दुनिया में भारतीय श्रम एवं कौशल की बड़ी मांग है। क्योंकि भारतीय मजबूर मेहनती, ईमानदार एवं कार्यनिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भारी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के वास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इरादा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एग्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घट रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एग्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय वहां खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं। यूनान ने भारत से संपर्क किया है कि वह कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 10,000 कामगारों को उसके यहां भेजे।

विदेशों से धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दशार्ता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत, आत्मीय व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए और उनका समाधान किया जाये। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत अपने प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित देशों से रणनीतिक तरीकों से रास्ता निकालना चाहिए। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है। खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष तौर पर अर्द्ध-कुशल श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के कई तरह के संकटों को बढ़ा दिया था। बड़ी संख्या में उनकी नौकरियां खत्म हुई, वेतन नहीं मिला। सामाजिक सुरक्षा के अभाव में कई लोगों को कर्ज में डूबना पड़ा। जिसके चलते बड़ी संख्या में ये कामगार स्वदेश लौटे। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की तरफ भारतीय छात्रों के बढ़ते रुझान की ओर भी आईओएम की अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट इशारा कर रही हैं। बहरहाल, प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिये ठोस प्रयासों की जरूरत है। किसी भी तरह श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय कामगारों के लिये सुरक्षित व व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके।

अतिरिक्त थायराइड हार्मोन बनने से चक्कर आ सकते हैं

हाइपरथायरायडिज्म का मतलब है कि आपका थायराइड ग्रंथि जरूरत से ज्यादा थायराइड हार्मोन प्रोड्यूस करती है। इसे हम ओवरएक्टिव थायराइड के नाम से भी जानते हैं। मौजूदा समय में खराब जीवनशैली के कारण कई मेडिकल कंडीशन बहुत सामान्य हो गई हैं। इसमें थायराइड भी शामिल है। थायराइड एक ग्लैंड है, जो बटरफ्लाई के शेप का है। यह गर्दन में स्थित है। थायराइड आपकी बॉडी द्वारा बनाए जाने वाले एनर्जी को कंट्रोल करती है। अगर किसी व्यक्ति के शरीर में अतिरिक्त मात्रा में थायराइड हार्मोन बनने लगे, तो उसे चक्कर आना, बहुत ज्यादा पसीना आना, हार्ट बीट बढ़ना, सोने में दिक्कत, बालों का झड़ना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। थायराइड हार्मोन को कंट्रोल करने के लिए मेडिसिन लेनी होती है। कुछ लोगों का मानना है कि हाइपरथायरायडिज्म होने पर व्यक्ति का वजन भी बढ़ सकता है। हाइपरथायरायडिज्म को वेट से कनेक्ट करके देखा जा सकता है। लेकिन ऐसा बहुत कम मामलों में होता है कि हाइपरथायरायडिज्म के कारण किसी का वजन बढ़ रहा है। यही कारण है कि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर किसी को हाइपरथायरायडिज्म है और वजन भी बढ़ रहा है, तो थायराइड से जुड़ी अन्य बीमारियों की जांच करवानी चाहिए।

हर कोई हर मामले में बेस्ट नहीं

इस बात को दिमाग में बैठा लीजिए कि हर कोई हर मामले में बेस्ट नहीं हो सकता है, इसलिए खुद में खुश रहने की कोशिश करिए और अपने हुनर को पहचान कर उसे आगे ले जाने के बारे में सोचिए। जिंदगी कभी-कभी ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करती है, जहां किसी का साथ नजर नहीं आता है तो इसलिए खुद में खुश रहने की कोशिश करिए। लोगों से अपनी तुलना करने पर आपके हाथ हमेशा असंतोष ही लगेगा।

नेचर के साथ- कभी-कभी जिंदगी की भागदौड़ से दूर खुद के लिए समय निकालना भी आपको अच्छे नतीजे दे सकता है। ऐसे में नेचर के साथ समय गुजारें और इस बात को अपनाने की कोशिश करें, कि इस दुनिया में कुछ भी स्थायी नहीं है और अकेले रहने के लिए आपको किसी और की नहीं, बल्कि खुद की ही जरूरत है। सोलो ट्रिप पर जाना भी आपकी मेंटल हेल्थ के लिए काफी बढ़िया हो सकता है।

सोशल मीडिया- अक्सर सोशल मीडिया ही लोगों के मन में तनाव और बुरे विचारों की वजह बनता है। कई स्टडीज में भी इस बात की पुष्टी हो चुकी है कि सोशल मीडिया से थोड़े समय का ब्रेक आपकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफको बेहतर बना सकता है। इससे आप असल जिंदगी में ज्यादा ध्यान लगा पाते हैं।

लाएं बदलाव- रोजाना एक जैसी लाइफजीकर भी अक्सर लोग तनाव का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि जिंदगी में कुछ न कुछ अलग ट्राई करते रहें, अगर एक ही रास्ते से कॉलेज या ऑफिस आते-जाते हैं,तो अलग रास्ते अपनाकर देखिए। आप अपने रूटीन में बदलाव ला सकते हैं।

माफ करना सीखिए- लोगों को लेकर अपने मन में बातें इकट्ठा करने से भी दुख और परेशानी ही हाथ लगती है। ऐसे में इससे बचने के लिए बीती बातों को भूलने की आदत डालिए और कोशिश करिए कि लोगों को माफकर सकें। इससे आप नेगेटिव विचारों को तो खत्म करेंगे ही साथ ही अपनी मेंटल हेल्थ को भी दुरुस्त कर पाएंगे।

हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीज ना खाएं ये चीजें

हाई कोलेस्ट्रॉल की बीमारी का लोग तेजी से शिकार हो रहे हैं,शरीर में हाई कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से इंसान हार्ट डिसीस और स्ट्रोक का शिकार हो सकता है,इसलिए अगर किसी को यह बीमारी है तो उसे अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए,जिस तरह हेल्दी फूड खाने से हमें जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं और शरीर ठीक से काम करता है वैसे ही गलत खानपान हमारी सेहत को बिगाड़ सकता है,गलत खान-पान से कई खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है,हाई कोलेस्ट्रॉल की एक सबसे बड़ी वजह अनहेल्दी फूड्स का सेवन करना है,ज्यादा नमक-चीनी और सैचुरेटेड फैट से भरपूर चीजें हमारे खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ा देती हैं जिससे आगे चलकर यह खतरनाक हो सतता है। कुछ खास चीजों का सेवन बिलकुल भी नहीं करना चाहिए ,जिसमें सबसे पहले आता है तेल से भरपूर खाद्य पदार्थ,तली हुई चीजों से परहेज करना चाहिए,प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन करना भी नुकसानदायक होता है,बेकरी के फूड्स जैसे कुकीज, केक और पेस्ट्री में फैट की मात्रा अधिक होती है, चीनी से भरपूर ड्रिंक्स, सोड़ा और मिठाइयां भी नहीं खानी चाहिए।